

हरितांधता स्त्री. (तत्.) आयु. एक प्रकार का दृष्टिदोष जिसमें हरा रंग नहीं दिखाई देता या उसकी पहचान नहीं हो पाती।

हरिता स्त्री. (तत्.) 1. हरि या विष्णु का भाव विष्णुपन 2. हल्दी 3. नीली दूब 4. हरा अंगूर 5. संगीत में एक प्रकार की स्वर भक्ति।

हरिताभ वि. (तत्.) हरे रंग या हरी आभा वाला, हरित आभा युक्त।

हरिताम्र पुं. (तत्.) पुरा. पुराने तांबे की वस्तुओं जैसे मूर्ति, बरतनों आदि पर लगी हरे रंग की जंग।

हरिताल पुं. (तत्.) दो भाग सांखिया और तीन भाग गंधक के मिश्रण वाला एक खनिज जिसे शुद्ध कर आयुर्वेदिक औषधि तैयार की जाती है, हरताल।

हरितालिका स्त्री. (तत्.) भादों मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया जिस दिन स्त्रियां व्रत रखती हैं, हरितालिका तीज।

हरिताली स्त्री. (तत्.) 1. हरितालिका तीज 2. दूर्वाघास 3. आकाश में बादल की पतली रेखा 4. वायु, हवा 5. तलवार की धार 6. मालकंगनी।

हरिताश्म पुं. (तत्.) 1. पन्ना या मरकत मणि 2. तूतिया।

हरिताश्व वि. (तत्.) 1. जिस घोड़े का रंग हरा या पीला हो 2. ऐसे घोड़े का सवार व्यक्ति 3. सूर्य।

हरितुरंग पुं. (तत्.) इंद्र।

हरितोपल पुं. (तत्.) मरकत, पन्ना।

हरितोषण वि. (तत्.) 1. भगवान को प्रसन्न करने वाला कार्य या साधन 2. अपने भक्त आदि पर भगवान की प्रसन्नता या कृपा।

हरिदर्भ पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. हरे रंग का अश्व या घोड़ा।

हरिदास पुं. (तत्.) 1. विष्णु का सेवक या भक्त, ईश्वर भक्त, वैष्णव भक्त 2. महाराष्ट्र, बंगाल आदि में हरि कथा सुनाने वाली एक जाति, कीर्तनकार।

हरि-दिन, हरि-दिवस पुं. (तत्.) 1. किसी भी पक्ष की एकदाशी जिसे भगवान विष्णु का दिन माना जाता है 2. विष्णु उपासना के लिए निर्धारित दिवस जिस दिन व्रत रखा जाता है।

हरिद्र पुं. (तत्.) पीला चंदन स्त्री. (तत्.) 1. हल्दी 2. जंगल, वन 3. कल्याण, मंगल 4. सीसा (धातु) 5. एक प्राचीन नदी।

हरिद्रा गणपति पुं. (तत्.) गणेश जी की मूर्ति जिस पर मंत्रों के साथ हल्दी चढ़ाई जाती है।

हरिद्रा द्वय पुं. (तत्.) दो प्रकार की हल्दियाँ अर्थात् हलदी और दारुहल्दी।

हरिद्रा-प्रमेह पुं. (तत्.) हल्दी के रंग का पीला पेशाब होने का एक रोग, इसमें पेशाब के साथ जलन भी होती है, पीलिया या पांडु रोग में भी यह लक्षण पाये जाते हैं, हरिद्रामेह।

हरिद्राभ वि. (तत्.) हल्दी के रंग वाला, पीला, पीताभ।

हरिद्रा राग वि. (तत्.) 1. हल्दी के रंग का 2. कच्चा रंग 3. जिस पर प्रेम का पूरा रंग न चढ़ा हो 4. पूर्व राग का एक भेद जिसमें प्रेम हल्दी के रंग की तरह कच्चा होता है।

हरिद्वार पुं. (तत्.) 1. हरि का द्वार, विष्णु लोक का द्वार 2. उत्तराखंड में स्थित एक धार्मिक एवं पवित्र स्थान जहां पर गंगा नदी पहाड़ों से निकल कर मैदानी भाग में बहने लगती है, इसे हरद्वार भी कहा जाता है इस अर्थ में यह भगवान शंकर के लोक का द्वार है।

हरिधनु पुं. (तत्.) 1. हरि का धनुष 2. इंद्रधनुष 3. विष्णु/राम का धनुष।

हरिधनुष पुं. (तत्.) इंद्रधनुष।

हरिधाम पुं. (तत्.) 1. हरि/परमात्मा का धाम/स्थान/लोक 2. विष्णु का लोक, वैकुंठ, गोलोक।

हरिन पुं. (तत्.) हरिण, मृग, हिरन।

हरि-नक्षत्र पुं. (तत्.) श्रवण नक्षत्र जिसके अधिष्ठाता देवता के रूप में विष्णु को माना गया है।